SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 3

भूमंडलीकृत विश्व का बनना

भाग - 1

Pritesh Joshi

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भूमंडलीकृत विश्व का बनना





जहाज़

विचार

बीमारियां

पैसा

मान्यताएं

भूमण्डलीकरण → एक परिवर्तन

वैश्वीकरण → विचार

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

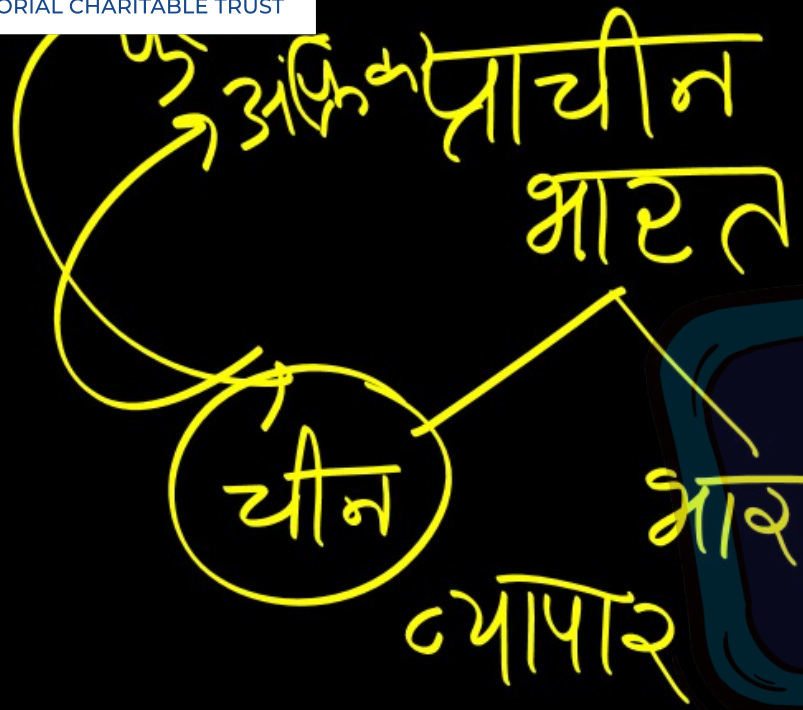

रेशम मार्ग (सिल्क रूट) से जुड़ती दुनिया :-

- प्राचीन काल में इस सिल्क मार्ग के द्वारा दूर-दूर के देश भी व्यापारिक और सांस्कृतिक रूप से जुड़े हुए थे।
- 'चीनी रेशम' के महत्व का इस बात से पता चलता है कि इस मार्ग का नाम ही 'सिल्क मार्ग' पड़ गया। जो चीन से पश्चिमी देशों को जाता था।
- ये सिल्क मार्ग बहुत सारे थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. सिल्क मार्ग पर एक लघु टिप्पणी लिखें ?

क्या ? → चीन — पश्चिमी

क्यों ? → रेशम निर्यात

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थल

युरोप एशिया अफ्रिका।

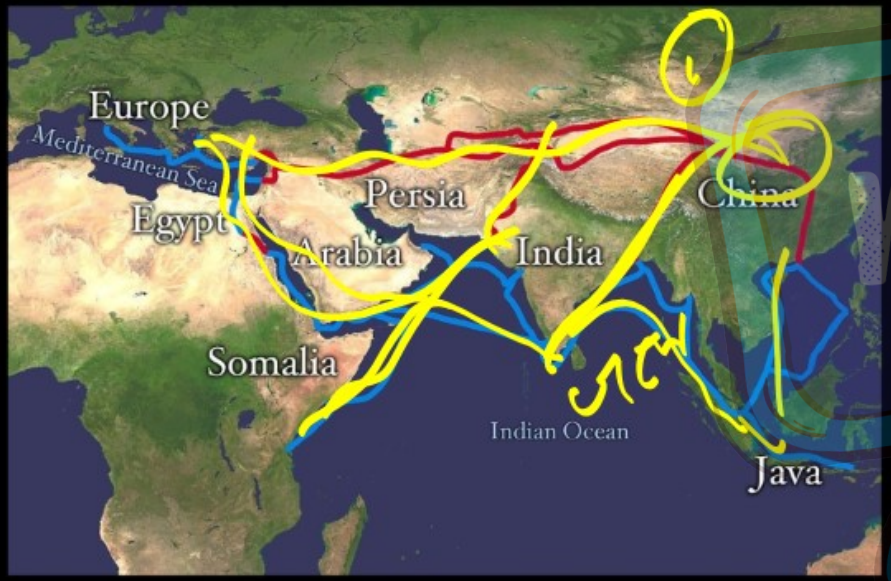

- ये मार्ग ईसा पूर्व के समय में ही प्रारंभ होकर लगभग 15वीं शताब्दी तक अस्तित्व में थे।
- इसी रास्ते से चीनी पॉटरी जाती थी।
- इसी रास्ते से भारत व दक्षिण-पूर्व एशिया के कपड़े व मसाले दुनिया के दूसरे भागों में पहुंचते थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वापसी में सोने-चादी जैसी कीमती धातुएँ यूरोप से एशिया पहुँचती थीं।
- व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान, दोनों प्रक्रियाएँ साथ-साथ चलता था।
- शुरुआती काल के इसाई-मिशनरी निश्चय ही इसी मार्ग से एशिया में आते होंगे।
- कुछ सदी बाद मुस्लिम धर्मोपदेशक भी इसी रास्ते से दुनिया में फैले।
- इन सबसे बहुत पहले पूर्वी भारत में उपजा बौद्ध धर्म भी इसी सिल्क मार्ग की विविध शाखाओं से ही कई दिशाओं में फैल चुका था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आलू

पास्ता

इटली





Spaghetti

Noodles

Ready to Eat

भोजन की यात्रा : स्पैघेत्ती और आलू

हमारे खाद्य पदार्थ दूर देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कई उदाहरण पेश करते हैं। जब भी व्यापारी और मुसाफ़िर किसी नए देश में जाते थे तो जाने-अनजाने वहाँ नयी फ़सलों के बीज बो आते थे।

संभव है कि दुनिया के विभिन्न भागों में मिलने वाले 'झटपट तैयार होने वाले' खाद्य पदार्थों के भी साझा स्रोत रहे हों।

इसका उदाहरण स्पैघेत्ती (पास्ता) और नूडल्स ही हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- फिर भी, इन अनुमानों के आधार पर इतना ज़रूर कहा जा सकता है कि आधुनिक काल से पहले भी दूर देशों के बीच सांस्कृतिक लेन-देन चल रहा होगा।

- माना जाता है कि नूडल्स चीन से पश्चिम में पहुँचे और वहाँ उन्हीं से पास्ता का जन्म हुआ हो।
- यह भी संभव हो सकता है कि पास्ता अरब यात्रियों के साथ 5वीं सदी में इटली के टापू सिसली पहुंचा हो।
- इसी तरह के आहार भारत और जापान में भी पाए जाते हैं इसलिए हो सकता कि हम कभी यह न जान सकें कि उनका जन्म कैसे हुआ होगा।

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आलू, सोया, मूँगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद जैसे बहुत सारे दूसरे खाद्य पदार्थ लगभग 500 साल पहले हमारे पूर्वजों के पास नहीं थे।
- ये खाद्य पदार्थ यूरोप और एशिया में तब आये जब क्रिस्टोफर कोलंबस गलती से अमेरिका पहुंच गया। (यहां अमेरिका से मतलब उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका तथा कैरेबियन द्वीप समूह सभी से है)
- दरअसल हमारे बहुत सारे खाद्य पदार्थ अमेरिका के मूल निवासियों (अमेरिकन इंडियन) से हमारे पास आए हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

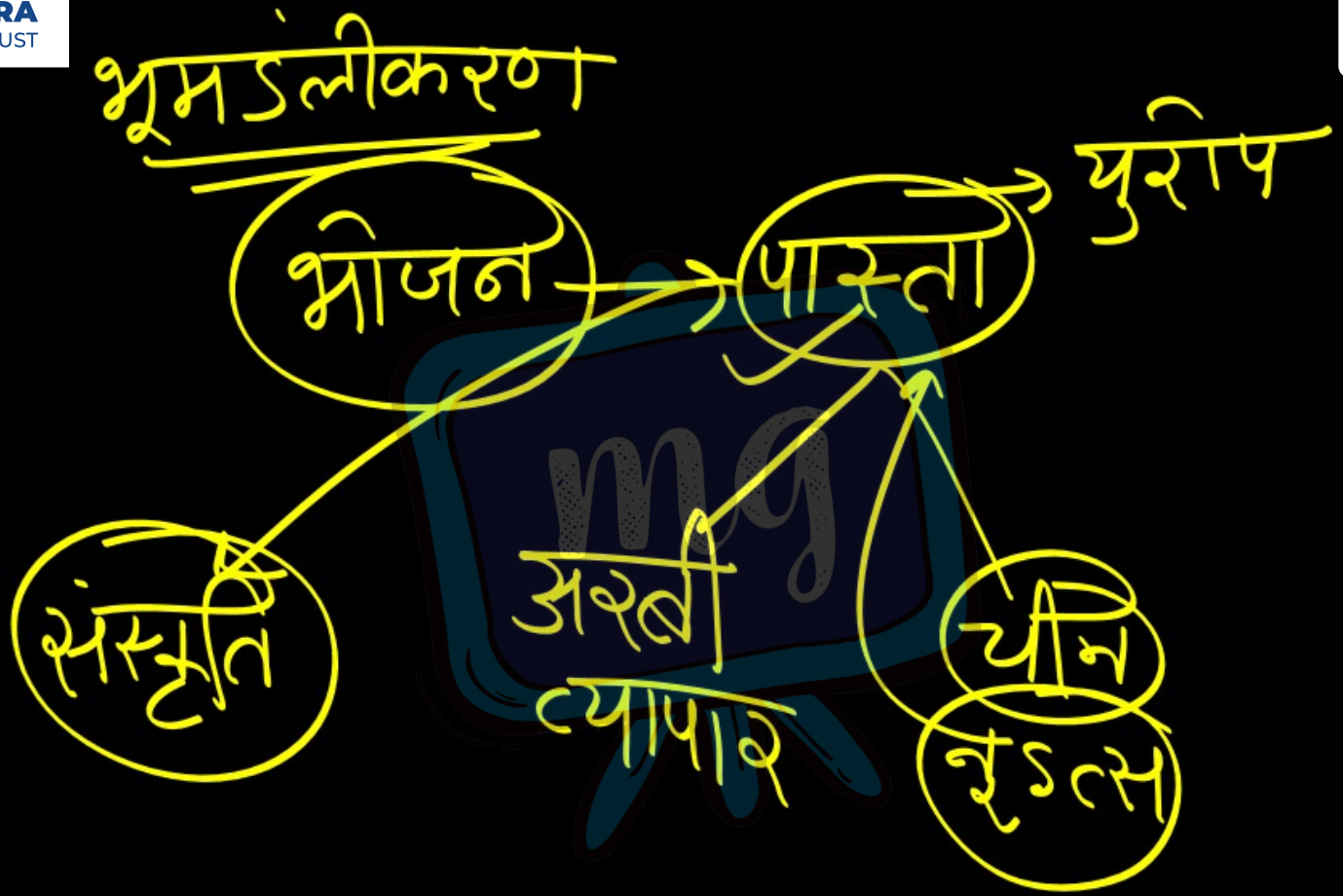

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



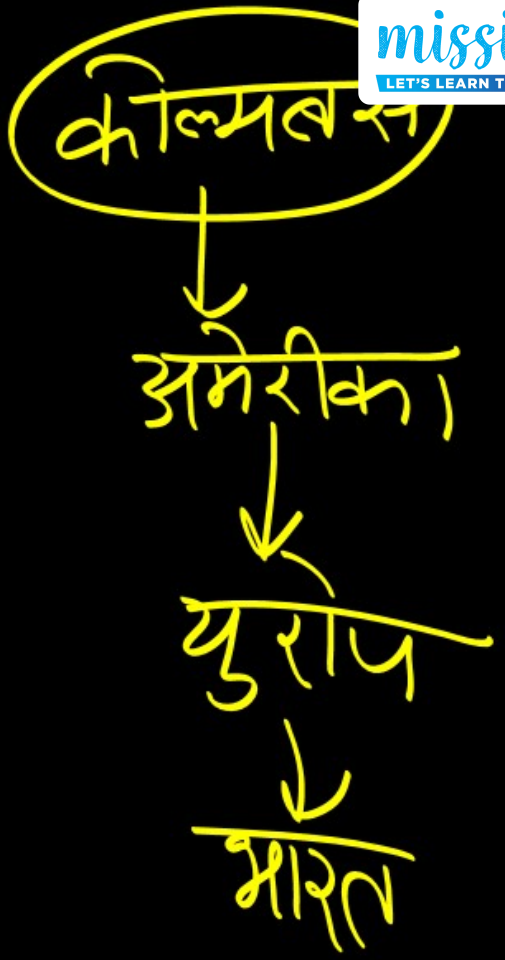

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आलू :-

- कई बार नयी फसलों के आने से जीवन में ज़मीन-आसमान का फर्क आ जाता था।
- साधारण से आलू का इस्तेमाल शुरू करने पर यूरोप के गरीबों की ज़िंदगी आमूल रूप से बदल गई थी।
- उनका भोजन बेहतर हो गया और उनकी औसत उम्र बढ़ने लगी।
- आयरलैंड के गरीब काश्तकार तो आलू पर इस हद तक निर्भर हो चुके थे कि 1840 के दशक के मध्य में किसी बीमारी के कारण आलू की फसल खराब हो जाने से लाखों लोग भुखमरी से मर गए।



आयरलैंड में आलू अकाल, इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज़, 1849

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- 1845 से 1849 के बीच पड़े भयानक आयरिश आलू अकाल के दौरान लगभग 10 लाख लोग भुखमरी के कारण मारे गए थे
- और इससे दोगुने लोग काम की तलाश में घर-बार छोड़ कर दूसरे इलाक़ों में चले गए थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. भोजन किस प्रकार भूमण्डलीकरण के एक उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है? चर्चा करें.

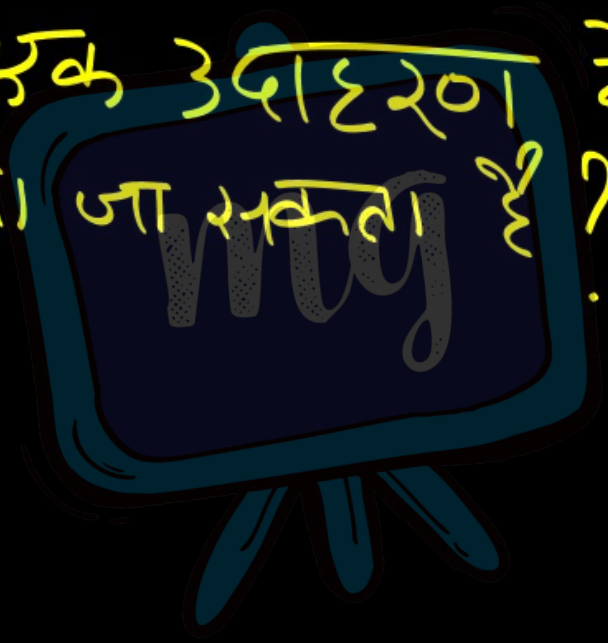

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विजय, बीमारी और व्यापार :-





अमेरिका की खोज :-

- अपनी खोज से पहले लाखों साल से अमेरिका का दुनिया से कोई संपर्क नहीं था।
- 1492 में क्रिस्टोफर-कोलबंस ने इसकी खोज की।

व्यापार :-

- 16वीं सदी से अमेरिका की विशाल भूमि और बेहिसाब फसलें व खनिज पदार्थ हर दिशा में जीवन का रूप-रंग बदलने लगे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- आज के पेरू और मैक्सिको में मौजूद खानों से निकलने वाली कीमती धातुओं जैसे खासतौर से चांदी ने भी यूरोप की संपदा को बढ़ाया।
- इससे पश्चिम एशिया के साथ यूरोप के व्यापार को गति मिली।
- 17वीं सदी के आते-आते पूरे यूरोप में दक्षिणी अमेरिका की धन-संपदा के बारे में तरह-तरह के किस्से बनने लगे थे।
- इन्हीं किंवदंतियों की बदौलत वहाँ के लोग एल डोराडो को सोने का शहर मानने लगे और उसकी खोज में बहुत सारे खोजी अभियान शुरू किए गए।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विजय :-

- 16वीं सदी के मध्य तक आते-आते पुर्तगाली और स्पेनिश सेनाओं की विजय का सिलसिला शुरू हो चुका था।
- उन्होंने अमेरिका को उपनिवेश बनाना शुरू कर दिया था।
- यूरोपीय सेनाएँ केवल अपनी सैनिक ताकत के दम पर नहीं जीतती थीं।
- स्पेन के विजेताओं के पास परंपरागत किस्म का कोई भी सैनिक हथियार नहीं था।



- उनके पास तो चेचक जैसे कीटाणु रूपी हथियार था जो स्पेनिश सैनिकों और अफसरों के साथ वहाँ जा पहुँचा था।
- लाखों साल से दुनिया से अलग-थलग रहने के कारण अमेरिका के लोगों के शरीर में यूरोप से आने वाली इन बीमारियों से बचने की रोग-प्रतिरोधी क्षमता नहीं थी।
- फलस्वरूप इस नए स्थान पर चेचक बहुत मारक साबित हुई।
- एक बार संक्रमण शुरू होने के बाद तो यह बीमारी पूरे महाद्वीप में फैल गई।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

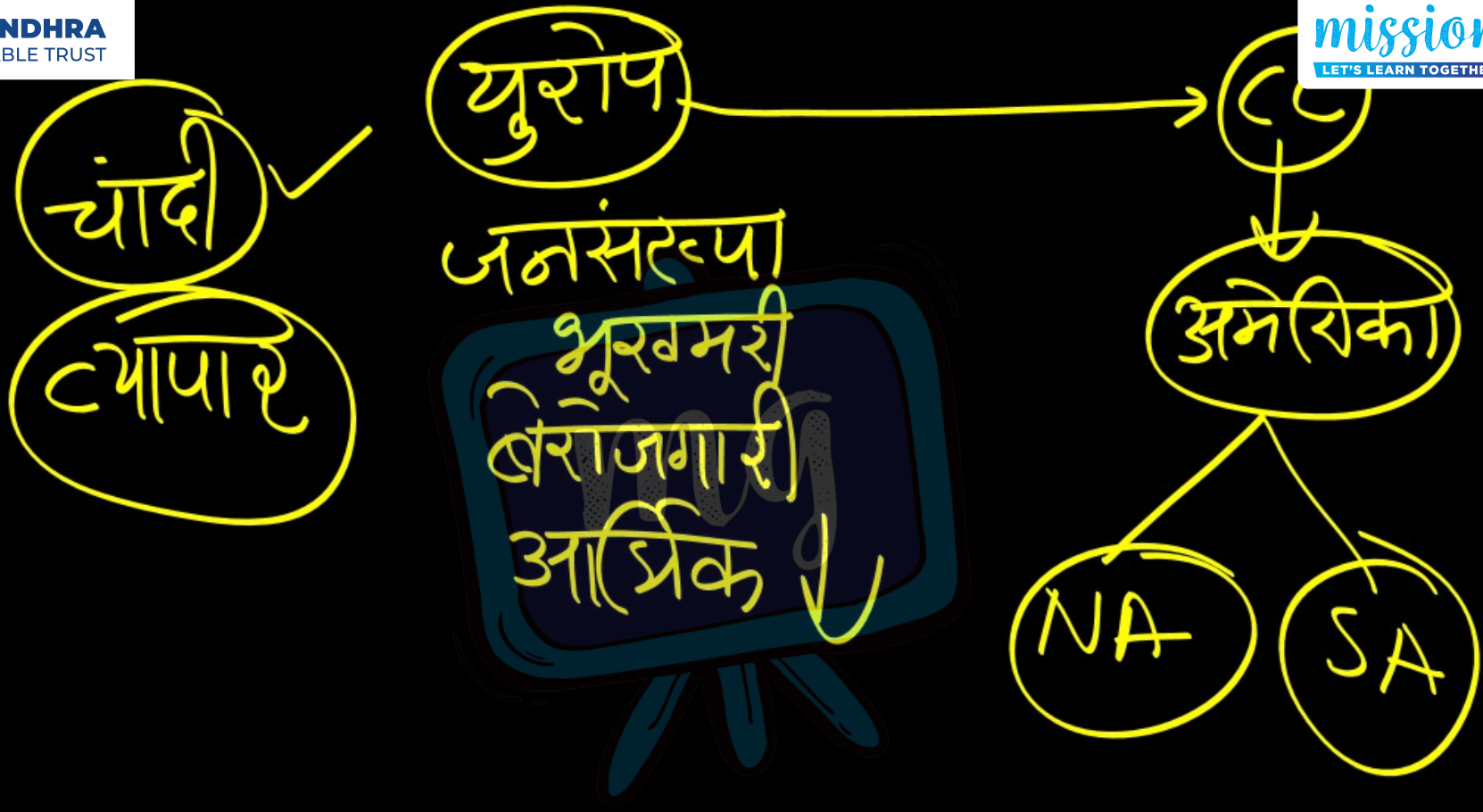

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

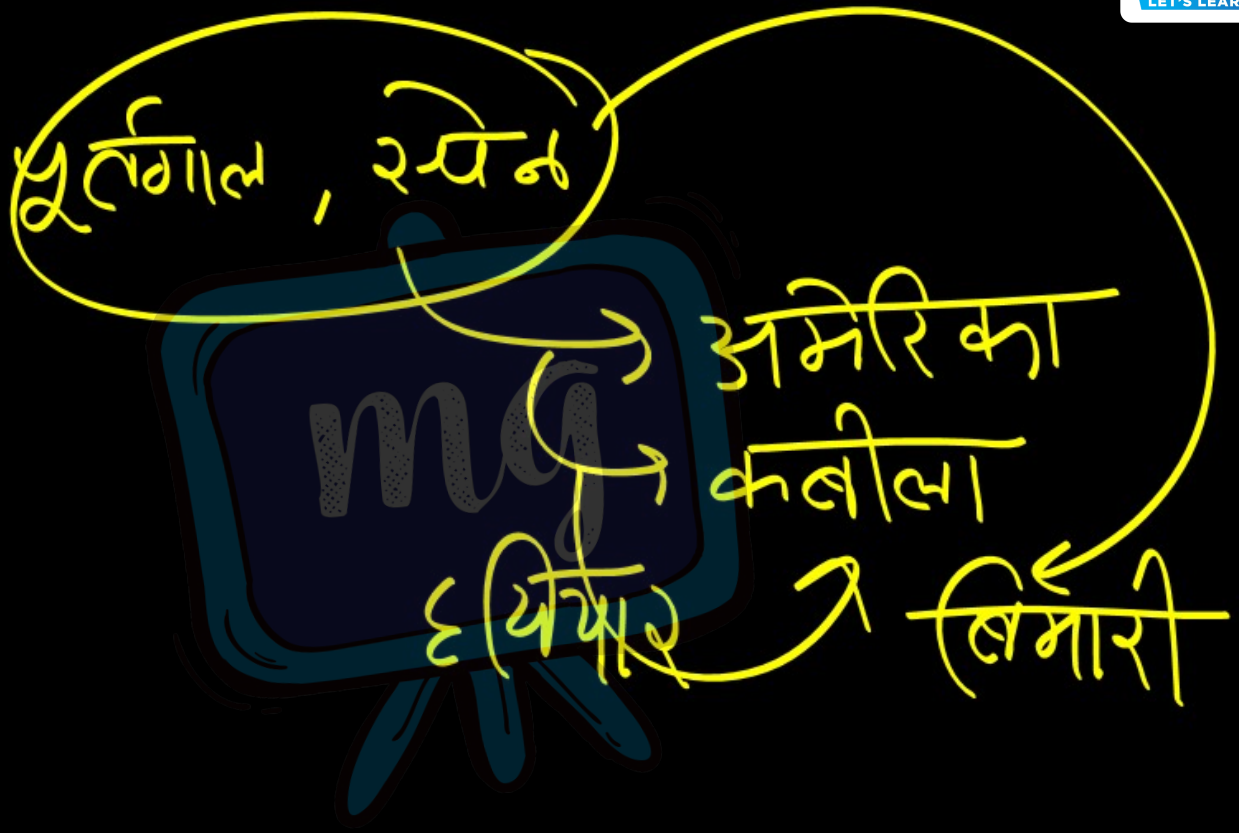

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

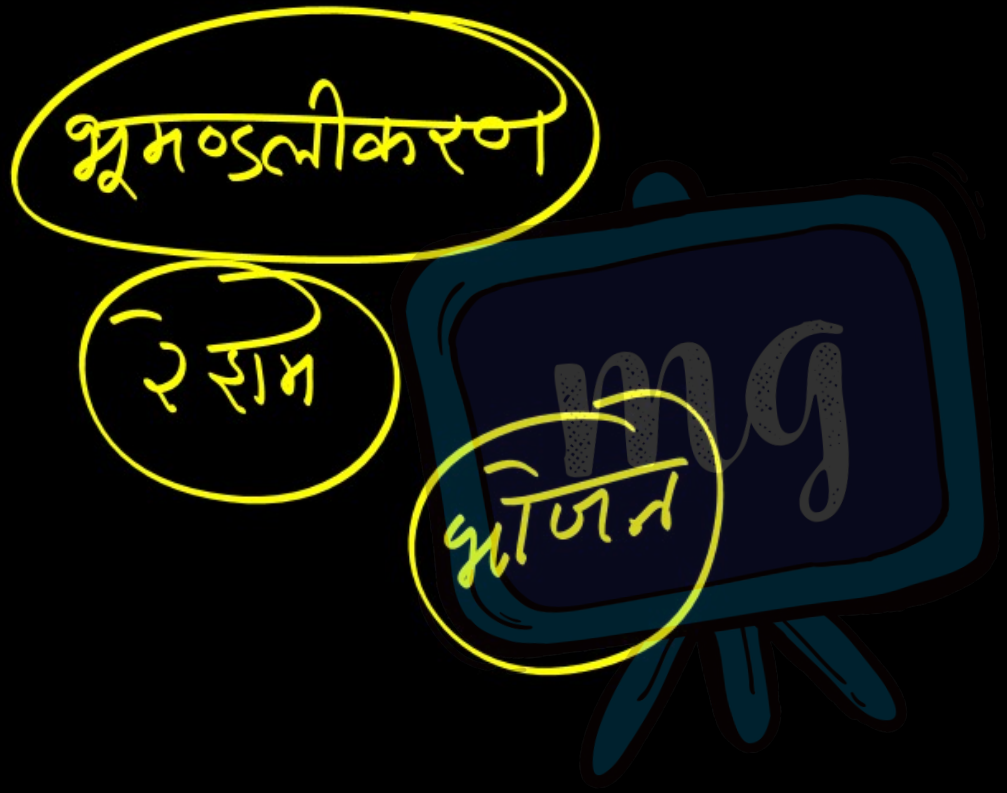

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

यूरोप से अमेरिका

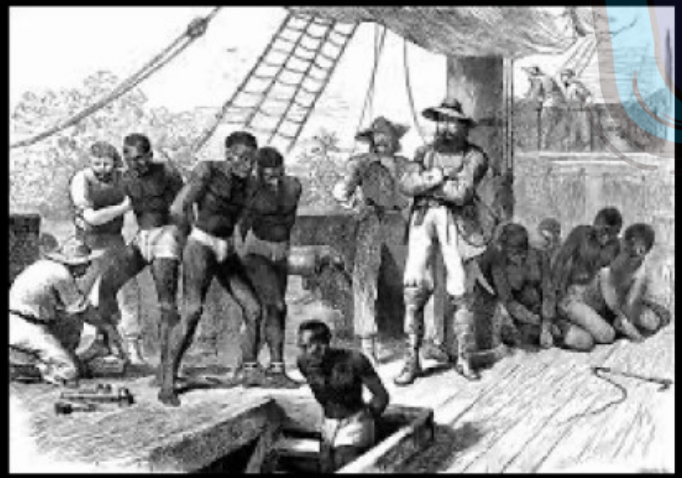

- 19वीं सदी तक यूरोप में गरीबी और भूख का ही साम्राज्य था।
- शहरों में बेहिसाब भीड़ थी और बीमारियों का बोलबाला था।
- धार्मिक टकराव होते रहना एक आम बात हो गयी थी।
- धार्मिक असंतुष्टों को कड़ा दंड दिया जाता था।